लिंग भेद व लिंग चयन के खिलाफ ब्रेकथ्रू का अभियान 'मिशन हजार'
बदलाव लाने में युवाओं की भुमिका महत्वपूर्ण

पानीपत,6 फरवरी 2015,मोहन स्कूल जाता है,रानी काम,काम,काम करती है, ये क्या रानी स्कूल क्यों नही जा सकती है और मोहन काम क्यों नही कर सकता? इन सवालों के साथ ब्रेकथ्रू के '**यूथ फेस्टीवल'** का आयोजन पानीपत के सनातन धर्म महाविद्यालय में किया गया।कार्यक्रम का आयोजन ब्रेकथ्रू के लिंग भेद व लिंग चयन को रोकने के लिए चलाए गए अभियान '**मिशन हजार**' के अन्तर्गत किया गया था।

हमारे आस-पास जितनी अधिक महिलाएं होगीं यह दुनिया उतनी ही अधिक सुरक्षित होगी।इस संदेश व नगाड़े के साथ शुरू हुए यूथ फेस्टिवल में बतौर मुख्य अतिथि चीफ ज्यूटिशियल मजिस्ट्रेट श्रीमती परमिंदर कौर सहित,हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती कमलेश पांचाल,भारत केसरी कमलेश,पी.ओ. उषा अरोड़ा,एसडीएम सुभाष सेरोन,टाइक्वान्डो में स्वर्ण पदक विजेता सोनिया,डीइओ जय भगवान खटक, प्रोटेक्शन ऑफीसर रजनी गुप्ता,सीएमओ इंद्रजीत धनकड़ सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

इस मौके पर मुख्य अतिथि चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट श्रीमती परमिंदर ने कहा कि लिंग भेद व लिंग चयन को रोकने में युवाओं की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। वक्त आ गया है कि हम अपनी बेटियों की जगह पहचानें। बिना बेटियों के किसी भी देश व समाज की कल्पना नही की जा सकती।जिस देश व राज्य में बेटियों आगे बढ़ रही हैं वही देश और राज्य उन्नति कर रहा है।हमें यह समझना होगा कि हमारे आस-पास जितनी अधिक महिलाएं होगी यह दुनिया उनके लिए उतनी ही बेहतर होगी।

हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती कमलेश पांचाल ने ब्रेकथ्रू के अभियान मिशन हजार की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा में बदलाव को जो माहौल ब्रेकथ्रू ने बनाया है उसको आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब युवाओं पर है।हमें उम्मीद है कि युवा अपनी जिम्मेदारी को समझेंगे और लिंग भेद व लिंग चयन को रोकने के लिए आगे आएंगें।उन्होंने कहा कि सरकार भी इस दिशा में पूरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है।

भारत केसरी कमलेश ने कहा कि आम तौर पर पुरूषों का खेल माने जाने कुश्ती को अपना कैरियर बनाने में उन्हें भी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा।लोकिन कुछ करने और आगे बढ़ने का हौसला था जिसकी वजह से आज कुश्ती में उनकी एक पहचान है और उनको देखकर और लड़कियां इसे अपना कैरियर बनाने के लिए आगे आ रही हैं।

ब्रेकथ्रू की डिप्टी डायरेक्टर, कार्यक्रम लिंग भेद व लिंग चयन, वीनू कक्कड़ ने कहा कि ब्रेकथ्रू हमेशा से महिला मुद्दों के लेकर संवेदनशील रहा है।हरियाणा में काम करते हुए हमने यहां बेटियों की स्थिति को काफी करीब से देखा है और बदलाव लाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।लिंग भेद और लिंग चयन को रोकने के लिए मिशन हजार अभियान भी हमारे इसी प्रयास का हिस्सा है।आम तौर पर यहां लड़कियों को एक बोझ की तरह देखा जाता है,बाहर निकलने पर उनकी सुरक्षा की चिंता है

और शादी के लिए दहेज भी एक प्रमुख कारण जिसकी वजह से बेटियों की संख्या का अनुपात यहां गिरा है। लेकिन हमें यह समझना होगा कि लड़की को जन्म देकर ही हम समाज को सुरक्षित कर सकते है।इसलिए हमारी इस मुहिम का हिस्सा बनकर आप भी लड़कियों को आगे लाने के प्रयास में हमारा साथ दें।

इस मौके पर लिंग भेद व लिंग चयन पर आधारित नुक्कड़ नाटक **'बदल रहा घमंडी'** के माध्यम से युवाओं को बताया गया कि किस तरह से हमारे आप-पास लिंग भेद व लिंग भेद की घटनाएं हर रोज ही होती है और बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका क्या हो सकती है? मैजिक शो के माध्यम से भी यह बताने का प्रयास किया गया कि लड़कियों को आगे लाकर,उन्हें उचित अवसर देकर,उन्हें कैसे आगे बढ़ने का मौका दिया जा सकता है और अवसर मिलने पर वो क्या कुछ कर सकती । इसके बाद हरियावी लोकगीतों के माध्यम से वीरेन्द्र ने लिंग भेद व लिंग चयन को समझाने का प्रयास किया।

ब्रेकथ्रू के पानीपत जिले के वरिष्ठ समन्वयक संजय कुमार ने कहा कि ब्रेकथ्रू का यह मानना है कि बदलाव युवाओं से आता है इस लिए आज हम आप के बीच खड़े है।आशा है कि आप इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के बाद बदलाव लाने की हमारी मुहिम में आगे भी हिस्सेदारी करेंगें।

'ब्रेकथ्रू' महिला अधिकारों को लेकर देश के अन्य हिस्सो में भी काम कर रहा है।उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में **'घरेलू हिंसा'** के मुद्दे पर हम अपने राइट्स एडवोकेट,प्रशिक्षण कार्यक्रमों,अन्य संस्थाओं के साथ साझेदारी करके व सामुदायिक रेडियों के माध्यम से समुदाय को जागरुक करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा झारखंड और बिहार में भी हम **'बाल विवाह'** के मुद्दे पर काम कर रहे हैं जहां हमने जुल्म सहने वालों का थियेटर पद्ति पर आधारित नाटक चंदा पुकारे,मोबाइल वीडियो वैन,स्कूलों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को बाल विवाह के मुद्दे पर जागरुक करने का काम करते हैं।इसके साथ ही हाल ही में हमने वोडाफोन फाउंडेशन के साथ मिलकर **'सेल्फी फॉर स्कूल'** कैंपेन दिल्ली,मुबंई और कर्नाटक में चलाया था जिसके माध्यम से हमने 58 हजार लड़कियों को स्कूल भेजने में सहयोग किया।

ब्रेकथ्रू के बारे में :-

ब्रेकथ्रू एक मानवधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों पर होने वाली हिंसा और भेदभाव को मिटाने के लिए काम करती है।

कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक एसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।

हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं। उसे दुनिया भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक और जरूरी बना रहे हैं।इस सबके साथ हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को विस्तृत प्रशिक्षण भी देते हैं जिससे एक नयी ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-

संजय कुमार
09671771841
ब्रेकथ्रू